Transport Revolution in England.

इंगलैंड की परिवहन क्रांति कृषि, औद्योगिक और वाणिज्यिक क्रांतियों का स्वाभाविक परिणाम थी। इसी परिवहन की सुविधाओं की उपलब्धि ने संचयी भाव से कृषि, उद्योग और वाणिज्य को सहायता पहुंचायी और स्वयं उनसे सहायता प्राप्त की। इसी कारण कृषि, उद्योग और परिवहन क्रांतियां एक-दूसरे पर निर्भर कही जाती हैं। कृषि वस्तुओं को नगरों में लाना आवश्यक था और बाजार में निर्मित वस्तुओं को भी देहातों में अथवा देश के बाहर ले जाना आवश्यक हुआ। वस्तुतः यदि परिवहन एवं संचार सुविधाओं को उपलब्ध नहीं किया जाता तो औद्योगिक क्रान्ति सफल नहीं हो पाती। इसके अतिरिक्त परिवहन साधनों के अभाव में औद्योगिक वस्तुओं की खपत भी अधिक नहीं हो पाती क्योंकि उस दशा में उनके बाजार सीमित होकर संभवतः स्थानीय ही रहते, राष्ट्रीय अथवा अन्तरराष्ट्रीय नहीं। औद्योगिक वस्तुओं को न तो देश के दूरस्थ गाँवों में और न ही विदेशों में ही भेजा जा पाता। औद्योगिक क्रान्ति के प्रगति के कुछ समय के पश्चात इंगलैंड में उद्योगों के लिए कच्चे माल और खाद्यान्न की कमी हो गई जिसको विदेशों से अथवा इंगलैंड के दूरस्थ उपनिवेशों से लाया जाना आवश्यक था। इन सभी कारणों से इंगलैंड के विभिन्न क्षेत्रों को एक-दूसरे से और समस्त इंगलैंड को विश्व के अन्य देशों से परिवहन एवं संचार के साधनों द्वारा संबंधित

होना आवश्यक था हो गया।

ग्रेट ब्रिटेन में अठारहवीं शताब्दी के मध्य तक यातायात की सुविधाओं का सामान्य रूप से अभाव था। रेलवे तथा वाष्प-शक्ति द्वारा प्रचलित जहाजों के आगमन से ब्रिटेन में आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। इन परिवर्तनों के विषय में क्रीमाति नीवेल्स ने लिखा है, "रेलवे और वाष्प जहाज के आगमन का अर्थ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था द्वारा प्रतिस्थापन हुआ जिसके सामान्य परिणाम आत्म-निर्भरता और विश्व-प्रतिस्पर्द्धा थे। यांत्रिक परिवहन ने राष्ट्रों के वाणिज्यिक और औद्योगिक महत्व में क्रांति ला दी। इसने वस्तुओं और व्यक्तियों की नवीन गतिशीलता की सृष्टि की। रेलवे को बनाने और नियंत्रित करने की आवश्यकता द्वारा राष्ट्रीय नीतियां प्रभावित हुईं।"

(Features of the Transport Revolution)

1. गति में वृद्धि :- रेलवे तथा वाष्प-शक्ति द्वारा संचालित जहाजों आदि जैसे परिवहन के नये-नये साधनों का आविष्कार हुआ। परिवहन के क्षेत्र में वाष्प-शक्ति के प्रयोग ने यातायात के साधनों को एक नयी एवं तीव्र गति प्रदान की। परिणामस्वरूप लम्बी दूरियों को भी अब कम ही समय में तय किया जाने लगा। साथ ही, अब बड़ी मात्रा में भी वस्तुओं का भेजा जाना संभव हो गया। परिवहन के यांत्रिक साधनों के कारण

मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली तथा इससे व्यक्तियों एवं वस्तुओं की गतिशीलता में बहुत अधिक वृद्धि हुई।

2. नियमितता :→ परिवहन के यांत्रिक साधनों के कारण वस्तुओं तथा सेवाओं का नियमित रूप से आयात एवं निर्यात प्रारंभ हुआ क्योंकि इनके द्वारा यात्रा करने में किसी भी प्रकार के प्राकृतिक व्यवधान की गुंजाइश नहीं थी। इस से ब्रिटेन का संसार के भिन्न-भिन्न देशों के साथ स्थायी व्यापारिक संबंध स्थापित हो गया।

3. सुरक्षा :→ परिवहन के यांत्रिक साधनों ने व्यापारिक सुरक्षा में भी अभिवृद्धि कर दी। अब अधिक मात्रा में वस्तुएं सुरक्षापूर्वक एक स्थान से दूसरे स्थान में आ जा सकती थीं।

4. सस्ता परिवहन :→ परिवहन के यांत्रिक साधन अपेक्षाकृत सस्ते थे। इनके विकास के कारण अब कम ही व्यय में दूर-दूर तक वस्तुएं भेजी जा सकती थी। अतः इस क्रांति के कारण परिवहन के सस्ते साधन उपलब्ध हुए जिससे विदेशी व्यापार में भी अत्यधिक वृद्धि हुई।

क्रमशः

धन्यवाद

Scanned with CamScanner